**भारत सरकार**

**रक्षा मंत्रालय
रक्षा विभाग**

**राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या 1456**

**24 दिसंबर, 2018 को उत्तर के लिए**

 **घुसपैठ और संघर्ष विराम का उल्लंघन**

**1456. श्री विजय पाल सिंह तोमर :**

क्या रक्षा मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

**(क) क्य यह सच है कि पिछले छह महीनों के दौरान जम्मू और कश्मीर में पाकिस्तान द्वारा घुसपैठ और संघर्ष विराम का उल्लंघन बढ़ गया है;**

**(ख) यदि हां, तो इस अवधि के दौरान कितने आतंकवादी मारे गये और पकड़े गये और कितने सुरक्षा कर्मी मारे गये या घायल हुए; और**

**(ग) सरकार द्वारा ऐसी घटनाओं को रोकने या कम करने के लिए की गई कार्रवाई का ब्यौरा क्या है ?**

**उत्तर
रक्षा मंत्रालय में राज्यमंत्री (डॉ. सुभाष भामरे)**

1. नियंत्रण रेखा के साथ जम्मू एवं कश्मीर राज्य में सेना के संक्रियात्मक नियंत्रण के तहत युद्ध-विराम उल्लंघन (सीएफवी) और घुसपैठ की कोशिशों को विफल करने संबंधी ब्यौरे निम्नलिखित हैं:-

|  |  |
| --- | --- |
| ब्यौरे | 01 जुलाई से 11 दिसंबर, 2018 |
| युद्ध-विराम उल्लंघन की घटनाओं की संख्या  | 586 |
| घुसपैठ की विफल कोशिशों की संख्या  |  08 |

1. घुसपैठ की कोशिश में नियंत्रण रेखा के साथ जम्मू एवं कश्मीर राज्य में सेना के संक्रियात्मक नियंत्रण के तहत मारे गए आतंकवादियों और सेना के गंभीर हताहतों के ब्यौरे निम्नलिखित हैं:-

|  |  |
| --- | --- |
| ब्यौरे | 01 जुलाई से 11 दिसंबर, 2018 |
| घुसपैठ की असफल कोशिश में मारे गए आतंकवादियों की संख्या | 17 |
| घुसपैठ की कोशिश को विफल करने में सेना के गंभीर रूप से घायलों का ब्यौरा | 05 |

(ग) युद्ध-विराम उल्लंघन की घटनाओं में, जब कभी आवश्यक होता है, उचित जवाबी कार्रवाई की जाती है । युद्ध-विराम उल्लंघन और घुसपैठ की सभी घटनाओं को दोनों देशों के बीच राजनयिक चैनलों के साथ-साथ हॉट लाइनों, फ्लैग बैठकों, सैन्य संक्रिया महानिदेशकों के स्थापित तंत्र के माध्यम से उचित स्तर पर पाकिस्तान के प्राधिकारियों के साथ उठाया जाता है ।

\*\*\*\*\*\*\*